2016

M. A.

1st Semester Examination

HINDI

Paper – HIN-104

(आधुनिक काव्य-1)

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 12×2

क) 'साकेत' के नवम सर्ग के आधार पर उर्मिला की चारित्रिक विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए ।

ख) 'कामायनी' के काव्य-रूप का विवेचन कीजिए ।

ग) 'उर्वशी' के तृतीय अंक की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

घ) 'पंत प्रकृति के कवि हैं' —पठित कविताओं के आधार पर सिद्ध कीजिए ।

2. किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2

प) अरे वर्ष के हर्ष,
बरस तू बरस-बरस रसधार!
पार ले चल तू मुझको
वहाँ दिखा मुझको भी निज
गर्जन-भैरव-संसार

फ) एक तुम, यह विस्तृत भू-खण्ड प्रकृति वैभव से भरा अमंद
कर्म का भोग, भोग का कर्म, यही जड़ का चेतन-आनंद ।
अकेले तुम कैसे असहाय यजन कर सकते? तुच्छ विचार ।
तपस्वी! आकर्षण से हीन कर सके नहीं आत्म विस्तार

ब) जब तक यह पावक शेष, तभी तक भाष द्वन्द्व के जगते हैं,
बारी-बारी से मही, स्वर्ग, दोनों ही सुन्दर लगते हैं ।

भ) और होंगे नयन सूखे
तिल बुझे औ' पलक रूखे;
आर्द्र चितवन में यहाँ
शत विद्युतों में दीप खेला ।

—o—